हिन्दी मधुगीत-गुञ्जन

(हिन्दी भाषा-महत्त्व पर एक सौ इक्कीस गेय गीत)

कविवर आचार्य डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त

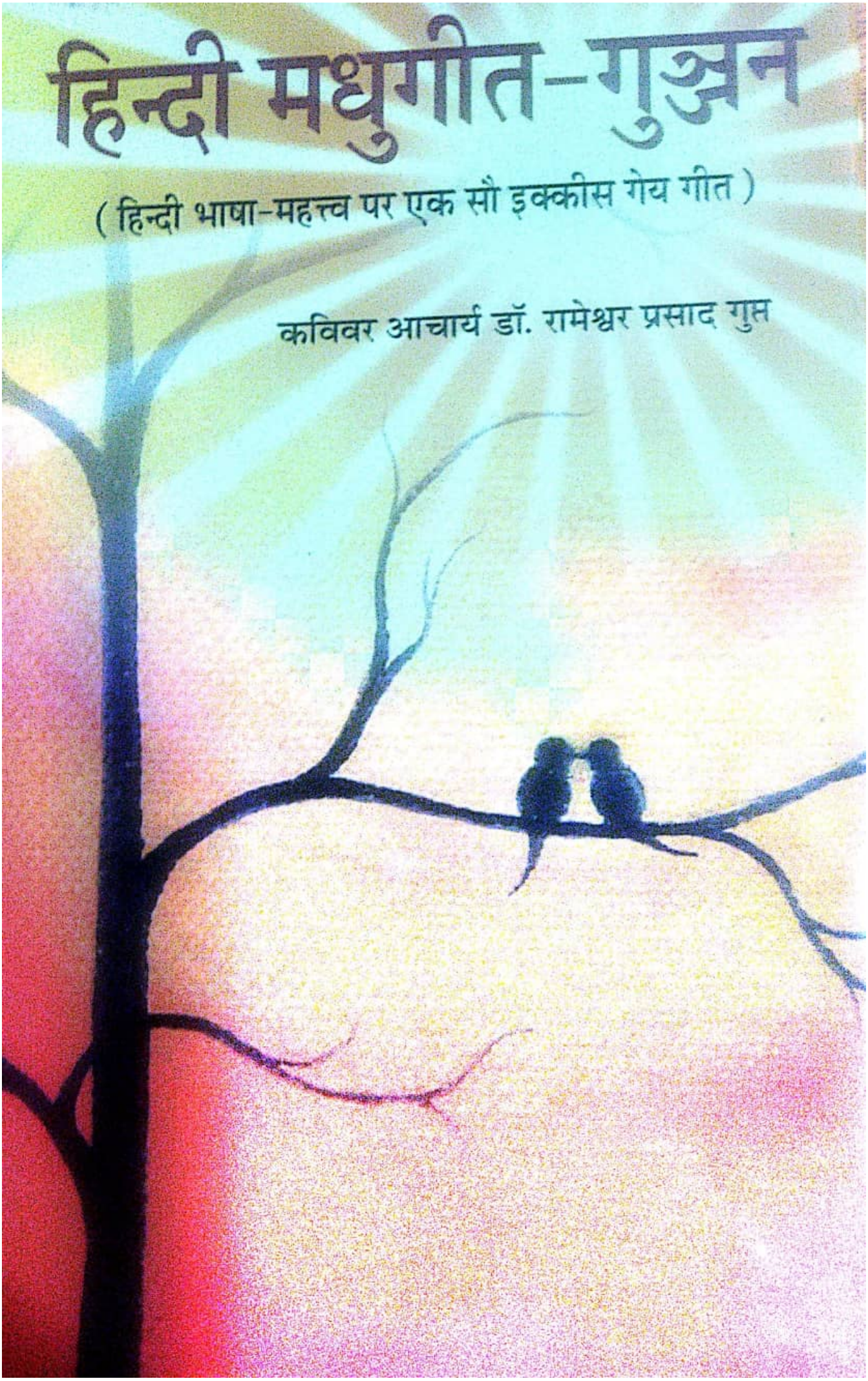

Scanned with CamScanner

हिन्दी मधुगीत-गुञ्जन

(हिन्दीभाषा-महत्त्व पर एक सौ इक्कीस गेय गीत)

रचयिता

कविवर आचार्य डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त

एम.ए. (संस्कृत, हिन्दी) स्वर्णपदक प्राप्त, पी-एच.डी.

सेवानिवृत्त प्राध्यापक (संस्कृत)

ईस्टर्न बुक लिंकर्स

दिल्ली : : (भारत)

Scanned with CamScanner

सर्वाधिकार सुरक्षित हैं, इस पुस्तक के इस संस्करण का कोई भी भाग किसी उद्देश्य से किसी भी रूप में प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता है।

प्रकाशक :

ईस्टर्न बुक लिंकर्स

H.O. : 5825, न्यू चन्द्रावल, जवाहर नगर, दिल्ली-110007

फोन : 23850287, 09811232913

Showroom : 4806/34, भरत राम रोड, दरियागंज, दिल्ली-110002

फोन : 23285413

e-mail : eblindology@gmail.com

ebl@vsnl.net

Website: www.eblindology.com

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2017

मूल्य : ₹ 450.00

ISBN : 978-81-7854-330-7

हिन्दी मधुगीत-गुञ्जन

रचयिता : **आचार्य डॉ. रामेश्वर प्रसाद गुप्त**

टाईप सैटिंग : अजय प्रिंटिंग वर्क्स, नई दिल्ली-110085

मुद्रक : आर. के. प्रिन्ट सर्वसज

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

१. हृदय से है हिन्दी वन्दन १
२. हिन्दी भाषा, तव अभिनन्दन ३
३. हिन्दी भाषा, अभिनन्दन है ४
४. हिन्दी भाषा, शत शत वन्दन ५
५. हिन्दी का हो देश में अतुलनीय सम्मान ६
६. हिन्दी का हो विश्व में अतुलनीय सम्मान ८
७. संस्कृत-पुत्री 'हिन्दी भाषा' १०
८. हिन्दी दैवी भाषा है ११
९. 'हिन्दी' माता के समान है १२
१०. हिन्दी को निज माता मानो १३
११. हिन्दी जन जन की माता है १४
१२. हिन्दी भाषा सब की माता १५
१३. 'हिन्दी' हमारी माँ है १६
१४. 'हिन्दी' भारत का गौरव है १८
१५. 'हिन्दी' भारत की मधु-भाषा १९
१६. हिन्दी अपनी, गंगा जल है २०
१७. हिन्दी की गौरव-पूर्ण कहानी है २१
१८. हिन्दी बने विश्व की वाणीं २२
१९. विश्व व्यापिनी भाषा हिन्दी २३
२०. हिन्दीभाषा में सम्मोहन २४
२१. हमारी मातृ भू के भाल की बिन्दी बनी हिन्दी २५
२२. ये सुन्दर मातृ भू के भाल की बिन्दी बनी हिन्दी २६
२३. हमारे राष्ट्र के कल्याण का आधार हिन्दी है २७
२४. हमारी आत्मा का रूप, शुभ वरदान है हिन्दी २९
२५. समूचे विश्व में इस देश की पहचान है हिन्दी ३०
२६. विश्वज्ञान संभृत तकनीकी भाषा हिन्दी है ३१
२७. प्रौद्योगिक-विकास की प्यारी भाषा हिन्दी है ३२
२८. महिमा मण्डित हिन्दी भाषा ३३
२९. हिन्दी की महिमा है न्यारी ३५
३०. हिन्दी की महिमा गाते सब ३६
३१. अखिल विश्व यश पाती हिन्दी ३७
३२. हिन्दी दैवी शक्ति सँभारे ३८
३३. अब हिन्दी छाइ विदेशों में ४०
३४. शाश्वतचिन्तनधारा हिन्दी ४२
३५. हिन्दी मानवता की पुकार ४३
३६. हिन्दी है अपने भारत की पहचान ४५
३७. भारतीयता का प्रतीक है हिन्दी भाषा ४६
३८. हिन्दी अपने भारत की भा ४७
३९. मधुर मनोज्ञ मातृभाषा है हिन्दी ४८
४०. सहजा सरला भाषा हिन्दी ४९
४१. सहजा सरला हिन्दी भाषा ५०
४२. हिन्दी भाषा सतत् एकता की धारा है ५१
४३. सभी की एकता के सूत्र की साधन बनी हिन्दी ५२
४४. राष्ट्रीय एकता बनाये हिन्दी भाषा ५३
४५. राष्ट्रभाषा हिन्दी ५४
४६. राष्ट्रभाषा हिन्दी ५५
४७. हिन्दी हो राष्ट्रभाषा ५७
४८. राष्ट्र-भाषा बने हिन्दी ५८
४९. बने हिन्दी स्वराष्ट्र भाषा ५९
५०. हिन्दी बने राष्ट्र की भाषा ६०
५१. हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा है ६१
५२. हिन्दी भाषामय हो देश ६२
५३. अपना देश, राष्ट्रभाषा भी अपनी एक बनाओ ६३
५४. राष्ट्र-एकता की प्रतीक है हिन्दी भाषा ६४

Scanned with CamScanner

५५. हृदय यह हिन्दी हमारी ६७
५६. हिन्दी का सौन्दर्य सुघर ६८
५७. ज्ञान-कोश है हिन्दी भाषा ६९
५८. हिन्दी-भाषा सबसे प्यारी ७०
५९. अपनी हिन्दी भाषा प्यारी ७१
६०. हिन्दी भाषा है अनुपमेय ७२
६१. हिन्दी भाषा को अपनाओ ७४
६२. आओ हिन्दी को अपनाओ ७५
६३. हिन्दी को अपनालो भैया ७६
६४. स्वयं के मान हित, सम्मानहित अपनाइये हिन्दी ७७
६५. हिन्दी अपनाना ही सार ७८
६६. आओ, हिन्दी को अपनाओ ७९
६७. हिन्दी को मन से अपनाओ ८०
६८. हिन्दी भाषा को अपनाओ ८१
६९. हिन्दी को सब अपनाओ अब ८२
७०. जन-हित में हिन्दी अपनाओ ८३
७१. हिन्दी भाषा को अपनाओ ८४
७२. आओ, हिन्दी को अपनाओ ८५
७३. आओ, हिन्दी को अपनायें ८६
७४. आओ, हिन्दी को अपनाओ ८७
७५. हिन्दी भाषा को अपनाओ ८८
७६. हिन्दी को सब ही अपनाओ ८९
७७. हिन्दी भाषा को अपनाओ ९०
७८. राष्ट्रीय एकता बनाओ, मिलकर हिन्दी को अपनाओ ९१
७९. आओ, हिन्दी उत्थान करें ९२
८०. करो अब हिन्दी का उत्थान ९३
८१. करो हिन्दी का नित सम्मान ९५
८२. लो, करलो हिन्दी से प्यार ९६
८३. करो हिन्दी का महत् प्रचार ९७
८४. हिन्दी में अनुवाद प्रवर हो ९८
८५. हिन्दी देती सम्यक् ज्ञान १००
८६. विश्व हिन्दी बने, वान यह गाइये १०१
८७. हिन्दी भाषा जन जन प्रिय है १०२
८८. हिन्दी सबकी ही प्रिय वाणी १०३
८९. हिन्दी है जन जन की वाणी १०४
९०. जन जन की प्रिय हिन्दी भाषा १०५
९१. जन जन की प्रिय हिन्दी भाषा १०६
९२. हिन्दी भाषा वट वृक्ष बनी १०७
९३. 'हिन्दी' राष्ट्रोन्नति का द्वार १०८
९४. हिन्दी वैज्ञानिकी प्रभाषा १०९
९५. भारत की प्राणों से प्रिय हिन्दी भाषा है ११०
९६. आओ, सब हिन्दी को जानें १११
९७. जागो सब हिन्दी के हित में ११२
९८. हिन्दी में अपनत्व समाया ११३
९९. 'हिन्दी' पावन मन भावन है ११४
१००. 'हिन्दी भाषा' अक्षय अक्षर ११५
१०१. 'हिन्दी' सबको एक बनाती ११६
१०२. 'हिन्दी' सबसे मेल कराती ११७
१०३. आओ, हिन्दी में बात करें ११८
१०४. आओ, हिन्दी में बात करें ११९
१०५. करो सब हिन्दी में व्यवहार १२०
१०६. हिन्दी-दिवस मनाओ १२१
१०७. अपनी हिन्दी को याद करो १२३
१०८. हिन्दी है मधुवारि सरोवर १२४
१०९. हिन्दी पर सब ही बलिहार १२५
११०. 'हिन्दी' वर कवियों को चाहत १२६
१११. हिन्दी का समय सुहावन अब १२७
११२. कालजयी यह भाषा हिन्दी १२८
११३. हिन्दी का परचम फहराओ १२९
११४. आओ, सब मिल हिन्दी का परचम फहराओ १३०
११५. निज कीरति गान सुना रइ हिन्दी १३१
११६. विजय देखो हिन्दी ने कैसी है पाई १३२
११७. जय जय हिन्दी, जय हिन्द कहो १३३
११८. हिन्दी की जय हो निष्कलंक १३४
११९. हिन्दी तेरी सदा विजय हो १३५
१२०. हिन्दी तेरी सदा विजय हो १३६
१२१. हिन्दी की सर्वदा विजय है

Scanned with CamScanner

EASTERN BOOK LINKERS

Scanned with CamScanner